गांधी अध्ययन केन्द्र

ध्येय वाक्यः अहिंसा परमो धर्मः

समन्वयक–डॉ0 राजेश कशवाहा

गांधी अध्ययन केन्द्र की दृष्टि

गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से समाज में गांधी जी के विचारों का प्रचार–प्रसार करने के साथ ही समाज में बंधुत्व एवं भाईचारे की स्थापना करना है। इसके लिए गांधी अध्ययन केन्द्र समय–समय पर विभिन्न शीर्षकों के माध्यम से अनुसंधान करायेगी। समाज में गांधी जी के विचारों के प्रति लोगों को जागरूक किया जायेगा। वास्तव में जो समाज अपने इतिहास को भुला देता है वह बहुत कठिन दौर से गुजरता है तथा इतिहास से सीख भी नहीं प्राप्त कर पाता है। गांधी अध्ययन पीठ के माध्यम से यह प्रयास किया जायेगा कि समाज में जो तरूणाई (युवा वर्ग) समाज को नई दिशा प्रदान करने के लिए तत्पर है वह गांधी जी के इतिहास एवं दर्शन को अवश्य जाने व गांधी जी के विचारों से ओतप्रोत होकर ही समाज को दिशा प्रदान करे। इस हेतु गांधी अध्ययन केन्द्र, गांधी जी के द्वारा समाज को जो दिशा प्रदान की गई थी एवं स्वदेशी का जो नारा दिया गया था उसके के बारे में प्रचार–प्रसार विभिन्न माध्यमों से करने का प्रयास किया जायेगा।

गांधी अध्ययन केन्द्र का उद्देश्य (मिशन)

1. गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से समय–समय पर विचारगोष्ठी, सेमीनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा जिससे समाज में लोगों को गांधी जी के विचारों को अधिक से अधिक प्रसारित किया जा सके।
2. गांधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं, यदि उनके विचारों का अनुपालन व्यक्तियों द्वारा किया जाये तो समाज विकासोउन्मुख अवश्य होगा तथा समाज एवं विश्व में शांति होगी। इसके लिए गांधी जी के विचारों को समाज के सम्मुख प्रस्तुत कर आत्मसात कराने का प्रयास किया जायेगा।
3. गांधी अध्ययन केन्द्र के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कोर्स खोले जायेगें जो गांधी जी के जीवन एवं विचारों से संबंधित होंगें। विद्यार्थी उन कोर्सो में अध्ययन कर गांधी जी के जीवन दर्शन एवं सिद्धांतो की जानकरी प्राप्त कर सकेगें एवं समाज में प्रचारित कर सकेगें।
4. गांधी जी के विचार लोगों के कल्याण के लिए थे। अतः गांधी अध्ययन केन्द्र यह प्रयास करेगा कि समाज में घटित होने वाली समसामयिक घटनाओं का अध्ययन किया जाये। इसके लिए यह केन्द्र समय–समय पर शोध कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

5. गांधी अध्ययन केन्द्र के द्वारा यह प्रयास किया जायेगा कि यह केन्द्र समाज को विश्वबंधुत्व एवं भाईचारे की प्रेरणा प्रदान करे। इस ध्येय को पूरा करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का भी आयोजन किया जायेगा। समय–समय पर गांधी जी जीवन दर्शन एवं उनकी कृतियों के बारे में विद्वतजनों से लेख मांगें जायेंगें जिनका प्रकाशन पुस्तक के रूप में किया जायेगा।
6. गांधी अध्ययन केन्द्र द्वारा एक समृद्ध पुस्तकालय की स्थापना की जायेगी, जिसमें गांधी जी से संबंधित विभिन्न पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं एवं शोध अध्ययनों को रखने का प्रयास किया जायेगा जिससे भविष्य में आयोजित होने वाले शोध अध्ययनों को सहायता प्राप्त हो सकेगी।

पीठ द्वारा संपन्न कार्यक्रम

30 जनवरी 2024 को गांधी जी की पुण्यतिथि पर समाज विज्ञान संस्थान में स्थापित गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

गाँधी जयंती पर चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें सभी संस्थाओं के छात्रों ने प्रतिभाग किया